संख्या-43/2024/438/सैंतीस-2-2024/1(77)/03टीसी2

प्रेषक,

अमरनाथ उपाध्याय,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

निदेशक,
रोग नियंत्रण एवं प्रक्षेत्र,
पशुपालन विभाग,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

पशुधन अनुभाग-2 लखनऊ :: दिनांक-07 मार्च, 2024

विषयः- **चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुदान संख्या-15 के अधीन पशु रोग नियँत्रण योजना (60 प्रति0के0पो0) (सामान्य) के अन्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से वित्तीय स्वीकृति।**

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-469/सा.-1/एक्स-120(4)/एस्कैड-जनरल/2023-24, दिनांक-16.02.2024 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुदान संख्या-15 के अधीन विभिन्न योजनाओं में सम्भावित बचतों से निम्नलिखित लेखाशीर्षक/मानक मदों में रू0-487.71 लाख (रूपये चार करोड़ सत्तासी लाख इकहत्तर हजार मात्र) की धनराशि संलग्न प्रपत्र बी.एम.-9 के अनुसार पुनर्विनियोजित किये जाने की स्वीकृति श्री राज्यपाल अधोलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

लेखाशीर्षक/मानक मद	**स्वीकृत धनराशि (लाख में)**
2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-02-राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम-0205-पशु रोग नियंत्रण योजना (के.60/रा.40-के.+रा.)	
39-औषधि तथा रसायन	292.63
2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-89-केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश-8904-पशु रोग नियंत्रण योजना	
39-औषधि तथा रसायन	195.08
महायोग-	**487.71**

(रूपये चार करोड़ सत्तासी लाख इकहत्तर हजार मात्र)

(1) प्रश्नगत योजनान्तर्गत केन्द्रांश अवमुक्त किये जाने विषयक भारत सरकार के निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण दायित्व निदेशक, रोग नियत्रण एवं प्रक्षेत्र, पशुपालन विभाग का होगा।

(2) जिस मद से पुनर्विनियोग किया जा रहा है उसमें अतिरिक्त धनराशि की मांग नहीं की जायेगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(3) जिस प्रयोजन हेतु धनराशि की मांग की जा रही है, उसी मद में ही आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी।

(4) जिस मद में पुनर्विनियोग किया जा रहा है, उसका सदुपयोग इसी वित्तीय वर्ष में कर लिया जायेगा।

(5) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सम्बन्ध में वित्त(आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-2/2023/बी-1-227/दस-2023-231/2023, दिनांक-17.03.2023 में निहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

2- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुदान संख्या-15 के अधीन लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-02-राष्ट्रीय पशु स्वास्थ्य तथा रोग नियंत्रण कार्यक्रम-0205-पशु रोग नियंत्रण योजना (के.60/रा.40-के.+रा.) के मानक मद 39-औषधि तथा रसायन तथा लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन-101-पशु चिकित्सा सेवायें तथा पशु स्वास्थ्य-89-केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का संगत राज्यांश-8904-पशु रोग नियंत्रण योजना के मानक मद 39-औषधि तथा रसायन के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 द्वारा आवंटित आर.ई. संख्या RE-budget-1-540, दिनांक-05 मार्च, 2024 के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक - प्रपत्र बी.एम.-9

भवदीय,

(अमरनाथ उपाध्याय)
विशेष सचिव।

पृ0सं0-43/2024/438(1)/सैंतीस-2-2024/1(77)/03टीसी2, तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी)/(लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज।
2. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0, प्रयागराज।
3. निदेशक, वित्तीय सांख्यिकी निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
4. वित्त नियंत्रक/संयुक्त निदेशक (नियोजन), पशुपालन विभाग, उ0प्र0, लखनऊ।
5. सम्बन्धित जिलाधिकारी एवं सम्बन्धित मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी।
6. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनु0-1/वित्त (आय-व्ययक) अनु0-1/नियोजन अनु0-3 ।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद कुमार द्विवेदी)
उप सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।